उफनते सीवरों से तंग दो नम्बर वासियों ने लगाया सड़क जाम

फ़रीदाबाद (म.मो.)। अपनी सीवर समस्या को लेकर एनएच-2 वासियों का सब्र का पैमाना इस हफ्ते टूट पड़ा। बार-बार अधिकारियों से अनुनय विनय तथा राजनेताओं के चक्कर काटने के बावजूद भी जब उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया तो, 'तंग आमद बजंग आमद' की कहावत को चरितार्थ करते हुए स्थानीय निवासियों ने मंगलवार को तो पचकुईया रोड को जाम किया। जनता के भारी आक्रोश को देखते हुए तुरत-फुरत नगर निगम के अधिकारी तीन-तीन मशीनें लेकर पहुंच गये। इन अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि स्थानीय निवासियों को पता नहीं था कि पहले से ही एक मशीन इस काम पर लगी हुई थी। सवाल यह पैदा होता है कि मशीन लगी थी तो कर क्या रही थी और इस मशीन लगने की नौबत बार-बार क्यों आती है। जैसे-तैसे कामचलाऊ सीवर चालू करके निगम वाले चले गये।

अगले ही दिन एक-दो नम्बर चौक से दो नम्बर को आने वाली मुख्य सड़क को स्थानीय निवासियों ने कई घंटों तक जाम रखा। निगम अधिकारियों ने समझा था कि पचकुईया रोड की सीवर चालू हो गई है तो बस काम निपट गया लेकिन वास्तव में काम निपटा नहीं था। मुख्य सड़क के मेन सीवर लाईन ज्यों की त्यों जाम पड़ी रही। सड़कों पर जाम लगाना बेशक कोई अच्छी बात नहीं है और न ही इसको लगाने वालों को इसमें कोई आनन्द आता है, लेकिन यह लोगों की मजबूरी है जब तक इस तरह के कदम न उठाये जाये कोई अधिकारी कुछ भी सुनने करने को तैयार नहीं होता। कई घंटों के जाम के बाद आखिर दु:खी जनता की सुनवाई हुई और सीवर सफाई का काम शुरू किया गया। लेकिन देखने वाली बात यही है कि यह सफाई कितने दिन कायम रह पायेगी।

दरअसल सीवर समस्या का मूल कारण पहला तो यह है कि जहां कही भी मेनहोल खुला होता है उसमें ऐसा कचरा भर जाता है कि जो लाईन को जाम कर देता है। दूसरा कारण यह है कि सीवेज का ठीक से डिस्पोजल नहीं हो पाता। यानी कि सीवेज को मोटर पम्पों द्वारा खींचकर निकालने की जो व्यवस्था है उसमें अनेकों खामियां है।

तीसरा बड़ा कारण नगर निगम के भ्रष्ट अधिकारियों व राजनेताओं के घालमेल से दिन प्रतिदिन बढ़ते अवैध कब्जे व निर्माण है। सीवेज व्यवस्था पर इतना अधिक लोड पड़ रहा है जिसके लिए उसको बनाया नहीं गया था। जाहिर है जब तक इन मूल समस्याओं का समाधान नहीं होगा सीवेज जाम की स्थिति ज्यों की त्यों ही बनी रहा करेगी, हां अब जो नई व्यवस्था सामने लाई जा रही है, जिसके अनुसार सीवेज का 'शोधित' जल पार्कों आदि में लगाया जायेगा उससे शायद इस समस्या का कुछ समाधान हो पाये। लेकिन दूसरी समस्या यह सामने आयेगी कि इनके शोधन प्लांट तो कभी चलने नहीं और सीवेज का सड़ा पानी पार्कों आदि में सड़ने लगेगा।

मुस्लिम स्वामित्व वाले ऑडिटोरियम से परहेज़ करना चाहिए?

कर्नाटक के शिमोगा में बजरंग दल वालों ने यह कहते हुए जयंत कैकिनी के नाटक जोतेगिरुवानु चंदिरा का मंचन बीच में रुकवा दिया कि इसमें पात्र मुस्लिम हैं और हिंदू (वीराशैव हिंदू) स्वामित्व वाले ऑडिटोरियम में इसका मंचन नहीं हो सकता।

बजरंग दल ने जब हस्तक्षेप किया, तब तक नाटक को शुरू हुए दो घंटे हो चुके थे। मतलब, ऑडिटोरियम के मालिकान को नाटक पर कोई एतराज़ नहीं था।

जयंत कैकिनी लिखित जोतेगिरुवानु चंदिरा जोसफ स्टीन के बहुचर्चित उपन्यास "द फिडलर ऑन द रूफ" का कन्नड़ नाट्य रूपांतरण है। इसका मंचन रंगाबेलाकू थिएटर ग्रुप कर रहा था।

खुद जोसफ स्टीन ने इसे शोलेम अलेखेम की बहुचर्चित कहानी "तेवये एंड हिज डॉटर्स" से डेवलप किया है।

मूल कहानी 1905 के लगभग की है और ज़ार के राज वाले रूस के एक काल्पनिक गांव अनातेवका के दूध बेचने वाले तेवये पर केंद्रित है।

तेवये यहूदी है। उसका परिवार बाहरी सामाजिक सांस्कृतिक प्रभावों से जूझ रहा है और वह अपनी यहूदी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने की कोशिश कर रहा है। इन्ही परिस्थितियों में वह अपनी पांच बेटियों की शादी को ले कर चिंतित है।

बजरंग दल की परेशानी अब आप समझ सकते हैं।

यह उस देश में हो रहा है, जहां एक वक्त कुरान, हिंदू स्वामित्व वाले लखनऊ के नवल किशोर प्रिंटिंग प्रेस में छपा करता था! मुंशी नवल किशोर ने इस प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना ग़दर के एक साल बाद 1858 में की थी।

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर इसकी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150
IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421

पुतिन ने क्यों कहा- 'त्रासदी' की ओर बढ़ रहा है यूक्रेन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को पश्चिमी देशों पर अपने देश के खिलाफ़ दशकों से आक्रामक व्यवहार रखने का आरोप लगाया है।

पुतिन ने पश्चिमी देशों को चुनौती देते हुए गुरुवार को कहा कि यदि वे रूस को हराने की मंशा रखते हैं तो युद्ध के मैदान में उनका स्वागत है। पुतिन ने साथ ही कहा कि पर ऐसा करना यूक्रेन के लिए त्रासदी लेकर आएगा।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन का ताज़ा बयान शुक्रवार को इंडोनेशिया में होने वाली जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक से ठीक पहले आया है। इस बैठक में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव जी-20 के अपने समकक्षों से बंद कमरे में बातचीत करने वाले हैं।

फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार रूस के इतने बड़े कूटनीतिक ने कभी पश्चिमी देशों के कूटनीतिकों से मुलाक़ात नहीं की है।

रूसी संसद के नेताओं को दिए और टीवी पर प्रसारित हुए अपने संबोधन में व्लादिमीर पुतिन ने कहा, "हमने कई बार सुना कि पश्चिमी देश यूक्रेन के अंतिम व्यक्ति के बचने तक हमसे लड़ाई लड़ेंगे। यह यूक्रेन के लोगों के लिए त्रासदी है, लेकिन ऐसा लगता है कि हालात उसी दिशा की ओर जा रहे हैं।"

फरवरी में यूक्रेन पर हमला होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। इससे रूस को भले परेशानी हुई हो, लेकिन उसके क़दम रोक पाने में पश्चिमी देश नाकाम रहे हैं। पुतिन ने गुरुवार को कहा 'वैसा नहीं हुआ जैसा कि पश्चिमी देश चाहते थे।' हालांकि यूक्रेन के मुख्य मध्यस्थ मिखाइल पोदाल्याक ने व्लादिमीर पुतिन के बयानों को खारिज़ किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की ऐसी कोई 'सामूहिक योजना' नहीं है। इस बीच यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में लड़ाई जारी है। वहीं प्रशासन का कहना है कि खारकीएव में हमले में तीन लोग मारे गए हैं।